चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....दैनिक जागरण....

दिनांक 24.12.2020 पृष्ठ संख्या....4.... कॉलम....1-5....

कार्यक्रम जेपी दलाल एचएयू में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 118वीं जयंती पर वर्चुअल किसान दिवस का आयोजन

आधुनिक तकनीकों को अपनाएं किसान : कृषि मंत्री

जागरण संवाददाता, हिसार : भारत कृषि प्रधान देश है जिसके कारण इसकी अर्थव्यवस्था खेती पर निर्भर है। इसलिए किसानों को वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई विभिन्न आधुनिक कृषि तकनीकों का समुचित उपयोग कर कम लागत से अधिक पैदावार लेकर अपनी आमदनी को बढ़ाना चाहिए। ये विचार प्रदेश के माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जेपी दलाल ने कहे। वे बुधवार को चौधरी चरण सिंह हकृवि में देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी की जयंती पर आयोजित वर्चुअल किसान दिवस कार्यक्रम के दौरान बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। यह किसान दिवस पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के जन्मदिन की यादगार के रूप में मनाया जा रहा है। इस वर्चुअल किसान दिवस पर कृषि एवं कृषि संबंधित क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने वाले प्रगतिशील किसान किशन लाल सुपुत्र नागरमल गांव नावां जिला महेंद्रगढ़ को 'किसान रत्न अवार्ड' दिए जाने पर बधाई दी।

एचएयू में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की जयंती के अवसर पर वर्चुअल किसान दिवस के अवसर पर कार्यक्रम में मौजूद कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य। • पीआरओ

किसानों की भलाई विश्वविद्यालय का ध्येय : वीसी

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की जाने वाली विभिन्न फसलों की नई-नई किस्मों व आधुनिक कृषि तकनीकों को किसानों तक पहुंचाना विश्वविद्यालय का एक ध्येय है। इसके लिए विश्वविद्यालय लगातार प्रयासरत है और इसी कड़ी में कृषि तकनीकी सूचना केन्द्र (एटिक)-एकल खिडकी से बीज वितरण, पौध व अन्य उत्पाद की बिक्री के अलावा कृषि तकनीकी के प्रसार को टोल फ्री हेल्प लाइन के साथ-साथ व्यक्तिगत विचार विमर्श व पत्राचार के माध्यम से बखूबी किसानों तक पहुंचा रहा है। राज्य में गेहूं का उत्पादन छः गुणा, चावल आठ गुणा, कपास तीन गुणा एवं तिलहनी फसलों का उत्पादन 5 गुणा बढ़ा है। वैज्ञानिकों ने फसलों, फलों, सब्जियों व चारे का अधिक उत्पादन देने वाली, रोगरोधी व कम समय में पककर तैयार होने वाली लगभग 288 किस्मों का विकास किया है।

इन्होंने भी रखे विचार

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने बताया कि इस वर्चुअल किसान मेले में प्रदेश के कृषि क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले किसानों को सम्मानित किया गया है। विस्तार शिक्षा के सह-निदेशक(कृषि-परामर्श) डॉ. सुनील ढांडा ने बताया की कोविड -19 के चलते किसान दिवस को वर्चुअल रूप में मनाया गया है। कार्यक्रम के दौरान कुलपति के ओएसडी डा. एमएस सिद्धपुरिया, कुलसचिव डा. बीआर कंबोज के अलावा विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, अधिकारियों के अलावा शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........

दिनांक 24.12.2020 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 5-8

राज्य में गेहूं का उत्पादन 6गुणा, चावल आठ गुना बढ़ा

एचएयू में पूर्व पीएम स्व. चौधरी चरण सिंह की 118वीं जयंती पर वर्चुअल किसान दिवस का आयोजन

भास्कर न्यूज़| हिसार

भारत कृषि प्रधान देश है, जिसके कारण इसकी अर्थव्यवस्था खेती पर निर्भर है। इसलिए किसानों को वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई विभिन्न आधुनिक कृषि तकनीकों का समुचित उपयोग कर कम लागत से अधिक पैदावार लेकर आमदनी को बढ़ाना चाहिए। ये विचार प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे.पी. दलाल ने व्यक्त किए। वह बुधवार को एचएयू में देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी

कार्यक्रम में मौजूद कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

चरण सिंह की118वीं जयंती पर आयोजित वर्चुअल किसान दिवस कार्यक्रम के दौरान बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। यह वर्चुअल किसान दिवस किसान नेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के जन्मदिन की यादगार के रूप में मनाया जा रहा है। एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नई-नई विभिन्न फसलों की किस्मों व तकनीकों का ही नतीजा है कि राज्य में गेहूं का उत्पादन छह गुणा, चावल आठ गुणा, कपास तीन गुणा एवं तिलहनी फसलों का उत्पादन 5 गुणा बढ़ा है। वैज्ञानिकों ने फसलों, फलों, सब्जियों व चारे का अधिक उत्पादन देने वाली, रोगरोधी व कम समय में पककर तैयार होने वाली लगभग 288 किस्मों का विकास किया है। शोध कार्यक्रमों को कृषि की बदली परिस्थितियों के अनुसार बढ़ावा देने तथा कृषि की लाभकारी तकनीकों के व्यावसायीकरण के लिए अंतरराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय स्तर पर कुल 527 द्विपक्षीय समझौते किए गए हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....अमर उजाला....

दिनांक 24.12.2020 पृष्ठ संख्या....2.... कॉलम....2-6....

'कृषि में आधुनिक तकनीकों को अपनाएं किसान'

एचएयू में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 118वीं जयंती के अवसर पर वर्चुअल किसान दिवस का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

किसान दिवस के अवसर पर कार्यक्रम में मौजूद कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

हिसार। भारत कृषि प्रधान देश है। जिसके कारण इसकी अर्थव्यवस्था खेती पर निर्भर है। इसलिए किसानों को वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई विभिन्न आधुनिक कृषि तकनीकों का समुचित उपयोग कर कम लागत से अधिक पैदावार लेकर अपनी आमदनी को बढ़ाना चाहिए। यह बा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जेपी दलाल ने कही। वे बुधवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर आयोजित वर्चुअल किसान दिवस कार्यक्रम के दौरान बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा नित नई-नई उन्नत किस्मों को विकसित करने व आधुनिक तकनीकों को ईजाद करने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि किसान धान की फसल की

व जीवाणुओं को भी भारी नुकसान होता है। इस समस्या के समाधान के लिए हरियाणा सरकार द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन के लिए विशेष प्रयत्न किए जा रहे हैं और विशेष कार्य योजना क्रियान्वित की जा रही है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा

और इसी कड़ी में कृषि तकनीकी सूचना केंद्र (एटिक)- एकल खिड़की से बीज वितरण, पौध व अन्य उत्पाद की बिक्री के अलावा कृषि तकनीकी के प्रसार को टोल फ्री हेल्प लाइन के साथ-साथ व्यक्तिगत विचार विमर्श व पत्राचार के माध्यम से बखूबी किसानों तक पहुंचा रहा है। कार्यक्रम के दौरान कुलपति के ओएसडी

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........ पंजाब केसरी ....

दिनांक 24.12.2020 पृष्ठ संख्या ...... 2 ...... कॉलम ... 2-4 ....

'कृषि में आधुनिक तकनीक अपनाएं किसान'

वर्चुअल किसान दिवस पर कार्यक्रम में मौजूद कृषि मंत्री जे.पी. दलाल, कुलपति प्रो. समर सिंह व अन्य।

एच.ए.यू. में वर्चुअल किसान दिवस का आयोजन

हिसार, 23 दिसम्बर (ब्यूरो): भारत की अर्थव्यवस्था खेती पर निर्भर है। इसलिए किसानों को वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई विभिन्न आधुनिक कृषि तकनीकों का समुचित उपयोग कर कम लागत से अधिक पैदावार लेकर अपनी आमदनी को बढ़ाना चाहिए। ये विचार कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे.पी. दलाल ने कहे। वे बुधवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 118वीं जयंती पर आयोजित वर्चुअल किसान दिवस कार्यक्रम के दौरान बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यह वर्चुअल किसान दिवस हमारे किसान नेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के जन्मदिन की यादगार के रूप में मनाया जा रहा है।

उन्होंने इस अवसर पर कृषि एवं कृषि सम्बन्धित क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने वाले प्रगतिशील किसान किशन लाल गांव नावां जिला महेंद्रगढ़ को 'किसान रत्न अवार्ड' दिए जाने पर बधाई दी। साथ ही अन्य किसानों से इस तरह के प्रगतिशील किसानों से प्रेरणा लेते हुए आगे बढ़ने व अपने कृषि क्षेत्र में और अधिक बेहतर करने का आह्वान किया।विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की जाने वाली विभिन्न फसलों की नई-नई किस्मों व आधुनिक कृषि तकनीकों को किसानों तक पहुंचाना विश्वविद्यालय का एक ध्येय है। इसके लिए विश्वविद्यालय लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नई-नई विभिन्न फसलों की किस्मों व तकनीकों का ही नतीजा है कि राज्य में गेहूं का उत्पादन छह गुणा, चावल 8 गुणा, कपास 3 गुणा एवं तिलहनी फसलों का उत्पादन 5 गुणा बढ़ा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....अजीत समाचार....

दिनांक 24.12.2020 पृष्ठ संख्या.......—....... कॉलम.......—.......

एचएयू में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 118वीं जयंती के अवसर पर वर्चुअल किसान दिवस का आयोजन

कृषि में आधुनिक तकनीकों को अपनाएं किसान : कृषि मंत्री जे.पी. दलाल

मंगाली स्लथा, 23 दिसम्बर (देवानन्द सोनी) : भारत कृषि प्रधान देश है जिसके कारण इसकी अर्थव्यवस्था खेती पर निर्भर है। इसलिए किसानों को वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई विभिन्न आधुनिक कृषि तकनीकों का समुचित उपयोग कर कम लागत में अधिक पैदावार लेकर अपनी आमदनी को बढ़ाना चाहिए। ये विचार प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे.पी. दलाल ने कहे। वे बुधवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह जी की118वीं जयंती पर आयोजित वर्चुअल किसान दिवस कार्यक्रम के दौरान बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा

वर्चुअल किसान दिवस के अवसर पर कार्यक्रम में मौजूद कृषि मंत्री जे.पी.दलाल व कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य। (छाया : सोनी)

कि यह वर्चुअल किसान दिवस हमारे किसान नेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी के जन्मदिन की यादगार के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा नित नई-नई उन्नत किस्मों को विकसित करने व आधुनिक तकनीकों को ईजाद करने के लिए बधाई व शुभकामनाएं दी। उन्होंने इस वर्चुअल किसान दिवस के अवसर पर कृषि एवं कृषि सम्बन्धित क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने वाले प्रगतिशील किसान किशन लाल पुत्र नागरमल गांव नावां जिला महेंद्रगढ़ को 'किसान रत्न अवार्ड' दिए जाने पर बधाई दी। साथ ही अन्य किसानों से इस तरह के प्रगतिशील किसानों से प्रेरणा लेते हुए आगे बढ़ने व अपने कृषि क्षेत्र में और अधिक बेहतर करने का आह्वान किया।

इसके साथ-साथ विश्वविद्यालय के जिला स्तर पर स्थापित कृषि विज्ञान केन्द्रों पर भी प्रत्येक जिले के एक अग्रणी महिला व पुरुष किसान को भी कृषि क्षेत्र में उनके विशेष योगदान हेतु सम्मानित किए जाने पर भी विश्वविद्यालय की सराहना की है ताकि इससे अन्य किसानों को भी प्रेरणा मिल सके। मुख्यातिथि ने कहा कि किसान धान की फसल की कटाई और गेहूं की बिजाई के बीच कम समय होने के कारण फसल अवशेष जलाते हैं जिससे प्रदूषण बढ़ता है। फसल अवशेष जलाने से स्वास्थ्य के साथ-साथ जमीन में मौजूद पोषक तत्वों व जीवाणुओं को भी भारी नुकसान होता है। इस समस्या के समाधान के लिए हरियाणा सरकार द्वारा फसल अवशेष प्रबन्धन हेतु विशेष प्रयत्न किए जा रहे हैं तथा विशेष कार्य योजना क्रियान्वित की जा रही है। इसलिए किसानों को इनका अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए।

किसानों की भलाई विश्वविद्यालय का ध्येय : प्रोफेसर समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने मुख्यातिथि माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री जे.पी. दलाल जी का कार्यक्रम में ऑनलाइन माध्यम से जुड़ने पर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की जाने वाली विभिन्न फसलों की नई-नई किस्मों व आधुनिक कृषि तकनीकों को किसानों तक पहुंचाना विश्वविद्यालय का एक ध्येय है।

कार्यक्रम के दौरान कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कांबोज के अलावा विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, अधिकारियों के अलावा शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी मौजूद रहे। इस दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों पर किसानों ने भी वर्चुअल माध्यम से इस किसान दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम...........सिटी पल्स...........

दिनांक 23.12.2020 पृष्ठ संख्या.......—.......कॉलम.......—.......

कार्यक्रम एचएयू में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 118वीं जयंती के अवसर पर वर्चुअल किसान दिवस का आयोजन

कृषि में आधुनिक तकनीकों को अपनाएं किसानः कृषि मंत्री

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। भारत कृषि प्रधान देश है जिसके कारण इसकी अर्थव्यवस्था खेती पर निर्भर है। इसलिए किसानों को वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई विभिन्न आधुनिक कृषि तकनीकों का समुचित उपयोग कर कम लागत में अधिक पैदावार लेकर अपनी आमदनी को बढ़ाना चाहिए। ये विचार प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे.पी. दलाल ने कहे। वे बुधवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी की 118वीं जयंती पर आयोजित वर्चुअल किसान दिवस कार्यक्रम के दौरान बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यह वर्चुअल किसान दिवस हमारे किसान नेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी के जन्मदिन की यादगार के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा नित नई-नई उन्नत किस्मों को विकसित करने व आधुनिक तकनीकों को ईजाद करने के लिए बधाई व शुभकामनाएं दी। उन्होंने इस वर्चुअल किसान दिवस के अवसर पर कृषि एवं कृषि सम्बन्धित क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने वाले प्रगतिशील किसान किशन लाल सुपुत्र नागरमल गांव नावां जिला महेंद्रगढ़ को 'किसान रत्न अवार्ड' दिए जाने पर बधाई दी। साथ ही अन्य किसानों से इस तरह के प्रगतिशील किसानों से प्रेरणा लेते हुए आगे बढ़ने व अपने कृषि क्षेत्र में और अधिक बेहतर करने का आह्वान किया।

इसके साथ-साथ विश्वविद्यालय के जिला स्तर पर स्थापित कृषि विज्ञान केन्द्रों पर भी प्रत्येक जिले के एक अग्रणी महिला व पुरुष किसान को भी कृषि क्षेत्र में उनके विशेष योगदान के लिए सम्मानित किए जाने पर भी विश्वविद्यालय की सराहना की है ताकि इससे अन्य किसानों को भी प्रेरणा मिल सके।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि इस वर्चुअल किसान मेले में प्रदेश के कृषि क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले किसानों को सम्मानित किया गया है। विस्तार शिक्षा के सह-निदेशक (कृषि-परामर्श) डॉ. सुनील ढांडा ने बताया की कोविड -19 के चलते किसान दिवस को वर्चुअल रूप में मनाया गया है। कार्यक्रम के दौरान कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कम्बोज के अलावा विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, अधिकारियों के अलावा शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी मौजूद रहे।

हिसार। वर्चुअल किसान दिवस के अवसर पर कार्यक्रम में मौजूद कृषि मंत्री जे.पी. दलाल व कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

किसानों की भलाई विश्वविद्यालय का ध्येयः प्रोफेसर समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने मुख्यातिथि कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे.पी. दलाल का कार्यक्रम में ऑनलाइन माध्यम से जुड़ने पर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की जाने वाली विभिन्न फसलों की नई-नई किस्मों व आधुनिक कृषि तकनीकों को किसानों तक पहुंचाना विश्वविद्यालय का एक ध्येय है। इसके लिए विश्वविद्यालय लगातार प्रयासरत है और इसी कड़ी में कृषि तकनीकी सूचना केन्द्र (एटिक)-एकल खिड़की से बीज वितरण, पौध व अन्य उत्पाद की बिक्री के अलावा कृषि तकनीकों के प्रसार को टोल फ्री हेल्प लाइन के साथ-साथ व्यक्तिगत विचार विमर्श व पत्राचार के माध्यम से बखूबी किसानों तक पहुंचा रहा है। जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय प्रांगण में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केन्द्र स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नई-नई विभिन्न फसलों की किस्मों व तकनीकों का ही नतीजा है कि राज्य में गेहूं का उत्पादन छह गुणा, चावल आठ गुणा, कपास तीन गुणा एवं तिलहनी फसलों का उत्पादन 5 गुणा बढ़ा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम .... पाँच बजे ....

दिनांक 23.12.2020 पृष्ठ संख्या ...... — ...... कॉलम ...... — ......

एचएयू में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 118वीं जयंती के अवसर पर वर्चुअल किसान दिवस का आयोजन

कृषि में आधुनिक तकनीकों को अपनाएं किसान : कृषि मंत्री

पांच बजे न्यूज़

हिसार। भारत कृषि प्रधान देश है जिसके कारण इसकी अर्थव्यवस्था खेती पर निर्भर है। इसलिए किसानों को वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई विभिन्न आधुनिक कृषि तकनीकों का समुचित उपयोग कर कम लागत से अधिक पैदावार लेकर अपनी आमदनी को बढ़ाना चाहिए। ये विचार प्रदेश के माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जेपी दलाल ने कहे। वे बुधवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह की118वीं जयंती पर आयोजित वर्चुअल किसान दिवस कार्यक्रम के दौरान बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यह वर्चुअल किसान दिवस हमारे किसान नेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी के जन्मदिन की यादगार के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा नित्त नई-नई उन्नत किस्मों को विकसित करने व आधुनिक तकनीकों को ईजाद करने के लिए

बधाई व शुभकामनाएं दी। उन्होंने इस वर्चुअल किसान दिवस के अवसर पर कृषि एवं कृषि सम्बन्धित क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने वाले प्रगतिशील किसान किशन लाल सुपुत्र नागरमल गांव नावां जिला महेंद्रगढ़ को 'किसान रत्न अवार्ड' दिए जाने पर बधाई दी। साथ ही अन्य किसानों से इस तरह के प्रगतिशील किसानों से प्रेरणा लेते हुए आगे बढ़ने व अपने कृषि क्षेत्र में और अधिक बेहतर करने का आह्वान किया। इसके साथ-साथ विश्वविद्यालय के जिला स्तर पर स्थापित कृषि विज्ञान केन्द्रों पर भी प्रत्येक जिले के एक अग्रणी महिला व पुरुष किसान को भी कृषि क्षेत्र में उनके विशेष योगदान हेतु सम्मनित किए जाने पर भी विश्वविद्यालय की सराहना की है ताकि इससे अन्य किसानों को भी प्रेरणा मिल सके। मुख्यातिथि ने कहा कि किसान धान की फसल को कटाई और गेहूं की बिजाई के बीच कम समय होने के कारण फसल अवशेष जलाते हैं जिससे प्रदूषण बढ़ता है। इस समस्या के समाधान के लिए हरियाणा सरकार द्वारा फसल अवशेष प्रबन्धन हेतु विशेष प्रयत्न किए जा रहे हैं तथा विशेष कार्य योजना क्रियान्वित की जा रही है। इसलिए किसानों को इनका अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए।

किसानों की भलाई विश्वविद्यालय का ध्येय : प्रोफेसर समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की जाने वाली विभिन्न फसलों की नई-नई किस्मों व आधुनिक कृषि तकनीकों को किसानों तक पहुंचाना विश्वविद्यालय का एक ध्येय है। इसके लिए विश्वविद्यालय लगातार प्रयासरत है और इसी कड़ी में कृषि तकनीकी सूचना केन्द्र (एटिक)-एकल खिड़की से बीज वितरण, पौध व अन्य उत्पाद की बिक्री के अलावा कृषि तकनीकी के प्रसार को टोल फ्री हेल्प लाइन के साथ-साथ व्यक्तिगत विचार विमर्श व पत्राचार के माध्यम से बखूबी किसानों तक पहुंचा रहा है। जिला स्तर पर स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र भी इसमें अपनी भूमिका बखुबी निभा रहे हैं। विस्तार सेवाओं के अन्तर्गत कृषि तकनीकों को ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचाने के लिए जिला स्तर पर लघु किसान मेले, खेत दिवस, कैम्प व अभियान आयोजित किए जाते हैं। जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय प्रांगण में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केन्द्र स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नई-नई विभिन्न फसलों की किस्मों व तकनीकों का ही नतीजा है कि राज्य में गेहूं का उत्पादन छः गुणा, चावल आठ गुणा, कपास तीन गुणा एवं तिलहनी फसलों का उत्पादन 5 गुणा बढ़ा है। वैज्ञानिकों ने फसलों, फलों, सब्जियों व चारे का अधिक उत्पादन देने वाली, रोगरोधी व कम समय में पककर तैयार होने वाली लगभग 288 किस्मों का विकास किया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......समस्त हरियाणा......

दिनांक 23.12.2020 पृष्ठ संख्या...—...कॉलम...—...

कृषि में आधुनिक तकनीकों को अपनाएं किसान : जेपी दलाल

एचएयू में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 118वीं जयंती के अवसर पर वर्चुअल किसान दिवस का आयोजन

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। भारत कृषि प्रधान देश है जिसके कारण इसकी अर्थव्यवस्था खेती पर निर्भर है। इसलिए किसानों को वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई विभिन्न आधुनिक कृषि तकनीकों का समुचित उपयोग कर कम लागत से अधिक पैदावार लेकर अपनी आमदनी को बढ़ाना चाहिए। ये विचार प्रदेश के माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे.पी. दलाल ने कहे।

वे बुधवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी की118वीं जयंती पर आयोजित वर्चुअल किसान दिवस कार्यक्रम के दौरान बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यह वर्चुअल किसान दिवस हमारे किसान नेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी के जन्मदिन की यादगार के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा नित्त नई-नई उन्नत किस्मों को विकसित करने व

आधुनिक तकनीकों को ईजाद करने के लिए बधाई व शुभकामनाएं दी। उन्होंने इस वर्चुअल किसान दिवस के अवसर पर कृषि एवं कृषि सम्बन्धित क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने वाले प्रगतिशील किसान किशन लाल सुपुत्र नागरमल गांव नावां जिला महेंद्रगढ़ को 'किसान रत्न अवार्ड' दिए जाने पर बधाई दी। साथ ही अन्य किसानों से इस तरह के प्रगतिशील किसानों से प्रेरणा लेते हुए आगे बढने व अपने कृषि क्षेत्र में और अधिक बेहतर करने का आह्वान किया।

इसके साथ-साथ विश्वविद्यालय के जिला स्तर पर स्थापित कृषि विज्ञान केन्द्रों पर भी प्रत्येक जिले के एक अग्रणी महिला व पुरुष किसान को भी कृषि क्षेत्र में उनके विशेष योगदान हेतु सम्मनित किए जाने पर भी विश्वविद्यालय की सराहना की है ताकि इंससे अन्य किसानों को भी प्रेरणा मिल सके। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने मुख्यातिथि माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे.पी. दलाल का कार्यक्रम में ऑनलाइन माध्यम से जुडने पर स्वागत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........सच कहूँ........

दिनांक 24.12.2020 पृष्ठ संख्या........ कॉलम........

एचएयू पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 118वीं जयंती के अवसर पर वर्चुअल किसान दिवस का आयोजन

कृषि में आधुनिक तकनीकों को अपनाएं किसान : कृषि मंत्री

सच कहूँ/संदीप सिंहमार
हिसार।

भारत कृषि प्रधान देश है जिसके कारण इसकी अर्थव्यवस्था खेती पर निर्भर है। इसलिए किसानों को वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई विभिन्न आधुनिक कृषि तकनीकों का समुचित उपयोग कर कम लागत से अधिक पैदावार लेकर अपनी आमदनी को बढ़ाना चाहिए। यह बात प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे.पी. दलाल ने कही। वे बुधवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी की 118वीं जयंती पर आयोजित वर्चुअल किसान दिवस कार्यक्रम के दौरान बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यह वर्चुअल किसान दिवस हमारे किसान नेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी के जन्मदिन की यादगार के रुप में मनाया जा रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा नित्त नई-नई उन्नत किस्मों को विकसित करने व आधुनिक तकनीकों को ईजाद करने के लिए बधाई व शुभकामनाएं दी। उन्होंने इस वर्चुअल किसान दिवस के अवसर पर कृषि एवं कृषि सम्बन्धित क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने वाले प्रगतिशील किसान किशन लाल सुपुत्र नागरमल गांव नावां जिला महेंद्रगढ़ को 'किसान रत्न अवार्ड' दिए जाने पर बधाई दी। साथ ही अन्य किसानों से इस तरह के प्रगतिशील किसानों से प्रेरणा लेते हुए आगे बढ़ने व अपने कृषि क्षेत्र में और अधिक बेहतर करने का आह्वान किया।

'किसानों की भलाई विश्वविद्यालय का ध्येय'

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की जाने वाली विभिन्न फसलों की नई-नई किस्मों व आधुनिक कृषि तकनीकों को किसानों तक पहुंचाना विश्वविद्यालय का एक ध्येय है। इसके लिए विश्वविद्यालय लगातार प्रयासरत है और इसी कड़ी में कृषि तकनीकी सूचना केन्द्र (एटिक)-एकल खिड़की से बीज वितरण, पौध व अन्य उत्पाद की बिक्री के अलावा कृषि तकनीकी के प्रसार को टोल फ्री हेल्प लाइन के साथ-साथ व्यक्तिगत विचार विमर्श व पत्राचार के माध्यम से बखूबी किसानों तक पहुंचा रहा है। जिला स्तर पर स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र भी इसमें अपनी भूमिका बखूबी निभा रहे हैं। विस्तार सेवाओं के अन्तर्गत कृषि तकनीकों को ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचाने के लिए जिला स्तर पर लघु किसान मेले, खेत दिवस, कैम्प व अभियान आयोजित किए जाते हैं। जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय प्रांगण में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केन्द्र स्थापित किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........पल पल........

दिनांक 23.12.2020...पृष्ठ संख्या......—......कॉलम......—......

कृषि में आधुनिक तकनीकों को अपनाएं किसान : जेपी दलाल

पल पल न्यूज: हिसार, 23 दिसंबर। भारत कृषि प्रधान देश है जिसके कारण इसकी अर्थव्यवस्था खेती पर निर्भर है। इसलिए किसानों को वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई विभिन्न आधुनिक कृषि तकनीकों का समुचित उपयोग कर कम लागत से अधिक पैदावार लेकर अपनी आमदनी को बढ़ाना चाहिए। ये विचार प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे.पी. दलाल ने कहे। वे बुधवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी की 118वीं जयंती पर आयोजित वर्चुअल किसान दिवस कार्यक्रम के दौरान बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यह वर्चुअल किसान दिवस हमारे किसान नेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के जन्मदिन की यादगार के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा नित्त नई-नई उन्नत किस्मों को विकसित करने व आधुनिक तकनीकों को ईजाद करने के लिए बधाई व शुभकामनाएं दी। उन्होंने इस वर्चुअल किसान दिवस के अवसर पर कृषि एवं कृषि सम्बन्धित क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने वाले प्रगतिशील किसान किशन लाल पुत्र नागरमल गांव नावां जिला महेंद्रगढ़ को 'किसान रत्न अवार्ड' दिए जाने पर बधाई दी। साथ ही अन्य किसानों से इस तरह के प्रगतिशील किसानों से प्रेरणा लेते हुए आगे बढ़ने व अपने कृषि क्षेत्र में और अधिक बेहतर करने का आह्वान किया।

इसके साथ-साथ विश्वविद्यालय के जिला स्तर पर स्थापित कृषि विज्ञान केन्द्रों पर भी प्रत्येक जिले के एक अग्रणी महिला व पुरुष किसान को भी कृषि क्षेत्र में उनके विशेष योगदान हेतु सम्मनित किए जाने पर भी विश्वविद्यालय की सराहना की है ताकि इससे अन्य किसानों को भी प्रेरणा मिल सके। मुख्यातिथि ने कहा कि किसान धान की फसल की कटाई और गेहूं की बिजाई के बीच कम समय होने के कारण फसल अवशेष जलाते हैं जिससे प्रदूषण बढ़ता है। फसल अवशेष जलाने से स्वास्थ्य के साथ-साथ जमीन में मौजूद पोषक तत्त्वों व जीवाणुओं को भी भारी नुकसान होता है। इस समस्या के समाधान के लिए हरियाणा सरकार द्वारा फसल अवशेष प्रबन्धन हेतु विशेष प्रयत्न किए जा रहे हैं तथा विशेष कार्य योजना क्रियान्वित की जा रही है। इसलिए किसानों को इनका अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने मुख्यातिथि कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे.पी. दलाल का कार्यक्रम में ऑनलाइन माध्यम से जुड़ने पर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की जाने वाली विभिन्न फसलों की नई-नई किस्मों व आधुनिक कृषि तकनीकों को किसानों तक पहुंचाना विश्वविद्यालय का एक ध्येय है। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि इस वर्चुअल किसान मेले में प्रदेश के कृषि क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले किसानों को सम्मानित किया गया है। विस्तार शिक्षा के सह-निदेशक (कृषि-परामर्श) डॉ. सुनील ढांडा ने बताया की कोविड-19 के चलते किसान दिवस को वर्चुअल रूप में मनाया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.......अमर उजाला.......

दिनांक 24.12.2020.....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....5-6.....

जीवन भर किसानों के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे चौधरी चरण सिंह : प्रो. समर सिंह

पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की जयंती पर पुष्प अर्पित करने के बाद कुलपति व स्टाफ के सदस्य।

हिसार(संवाद)। चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यंत किसानों के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे। देश के प्रधानमंत्री रहते हुए भी उनकी पहचान किसान के रूप में ही रही। अपने कार्यकाल के दौरान किसानों के जीवन को बेहतर बनाने का हर संभव प्रयास किया। किसानों के लिए इनके अतुलनीय योगदान के कारण ही उनके जन्मदिवस को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाया जाने लगा।

यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कही। वे पूर्व प्रधानमंत्री की 118वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री सदैव किसानों के हितैषी रहे और उन्हें किसानों के मसीहा के तौर पर भी जाना जाता है। किसानों के प्रति उनका प्रेम इसलिए भी था, क्योंकि चौधरी चरण सिंह खुद एक किसान परिवार से ताल्लुक रखते थे और वह उनकी समस्याओं को अच्छी तरह से समझते थे। कार्यक्रम के दौरान कुलपति के ओएसडी डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज के अलावा विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, अधिकारियों के अलावा शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........ हरि. भूमि ....

दिनांक 24.12.2020 पृष्ठ संख्या.......9.......कॉलम.......7-8.......

हिसार। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की जयंती पर पुष्पार्पित करते कुलपति प्रोफेसर समर सिंह। फोटो :हरिभूमि

चौ. चरण सिंह किसानों के उत्थान को प्रयासरत रहे

- एचएयू में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 118वीं जयंती मनाई

हरिभूमि न्यूज »» हिसार

पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी जीवन पर्यन्त किसानों के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे। प्रधानमंत्री रहते हुए भी उनकी पहचान किसान के रूप में ही रही। अपने कार्यकाल के दौरान किसानों के जीवन को बेहतर बनाने का हरसंभव प्रयास किया। किसानों के लिए इनके अतुलनीय योगदान पर उनके जन्मदिवस को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कही। वे पूर्व प्रधानमंत्री की 118वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के बाद संबोधित कर रहे थे। पूर्व प्रधानमंत्री सदैव किसानों के हितैषी रहे और उन्हें किसानों के मसीहा के तौर पर भी जाना जाता है। किसानों के प्रति उनका प्रेम इसलिए भी था क्योंकि चौधरी चरण सिंह खुद एक किसान परिवार से ताल्लुक रखने के कारण उनकी समस्याओं को अच्छी तरह से समझते थे। राजनेता होने के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री अर्थशास्त्री भी थे।

किसान दिवस

उकलाना मंडी। पुरानी अनाज मंडी में किसानों ने किसान नेता चौ. चरणसिंह को श्रद्धांजलि दी और किसान दिवस मनाया गया। पूर्व विधायक नरेश सेलवाल ने कहा कि देश के किसान दिल्ली में तीनों कृषि कानूनों के विरोध में बैठा हुआ और किसान बेचारा मर रहा है। किसानों ने पूर्व प्रधानमंत्री चौ. चरणसिंह को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर जगदीश, मनपाल सेलवाल, दिलबाग सोढी, चंद्रभान, करण सिंह, सन्नी पातड़ सुरेवाला, रोशन शर्मा, सुशील, रद्धांजलि दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........पंजाब केसरी........

दिनांक 24.12.2020 पृष्ठ संख्या....2....कॉलम....1-3....

'जीवनभर किसानों के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे चौधरी चरण सिंह'

हिसार, 23 दिसम्बर (ब्यूरो): देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त किसानों के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे।

देश के प्रधानमंत्री रहते हुए भी उनकी पहचान किसान के रूप में ही रही। अपने कार्यकाल के दौरान किसानों के जीवन को बेहतर बनाने का हर संभव प्रयास किया और कई कृषि बिल पारित किए गए। किसानों के लिए इनके अतुलनीय योगदान के कारण ही साल 2001 से 23 दिसम्बर को राष्ट्रीय किसान दिवस मनाया जाने लगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे पूर्व प्रधानमंत्री की 118वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के बाद संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के दौरान कुलपति के ओ.एस.डी. डा. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डा. बी.आर. कंबोज के अलावा विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, अधिकारी के अलावा शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी मौजूद रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की जयंती पर पुष्पार्पित करते कुलपति प्रो. समर सिंह।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....दैनिक भास्कर....

दिनांक 24.12.2020 पृष्ठ संख्या....1.... कॉलम....1-2....

पूर्व पीएम स्व. चरण सिंह को नमन किया

पूर्व पीएम स्व. चौधरी चरण सिंह की जयंती पर पुष्प अर्पित करते एचएयू वीसी प्रो. समर सिंह।

संबंधित खबर पेज- 2 पर

एचएयू : नामांकन 31 दिसंबर से

गैर शिक्षक कर्मचारी संघ के चुनाव 11 और 12 जनवरी को

हिसार | एचएयू गैर शिक्षक कर्मचारी संघ के द्विवार्षिक चुनाव 11 और 12 जनवरी को होंगे। इनमें प्रधान समेत सभी सातों पदाधिकारी शामिल हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त महेंद्र सिंह मोर ने बताया कि चुनाव के लिए 31 दिसंबर से नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी, जोकि एक जनवरी शाम 3 बजे तक जारी रहेगी।

दो जनवरी को नामांकन पत्रों की जांच पड़ताल होगी और शाम 4 बजे तक नामांकन वापस लिए जा सकेंगे। उसी दिन चुनाव चिह्न आबंटित कर दिए जाएंगे। 11 जनवरी को एचएयू के बाहरी केंद्रों पर तथा 12 जनवरी को एचएयू परिसर में चुनाव कराए जाएंगे। इनमें विवि के मतदाता प्रधान, उपप्रधान, महासचिव, सहसचिव, कोषाध्यक्ष के एक एक पद तथा कार्यकारी के दो सदस्यों के लिए मतदान करेंगे। प्रतिभागियों को प्रतिभूति राशि 1000 रुपए जमा करानी होगी। मतगणना की अधिकारिक घोषणा 12 जनवरी को चुनाव के तुरंत बाद की जाएगी। चुनाव के दौरान कोविड-19 के तहत जारी गाइडलाइन की पालना सुनिश्चित की जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........

दिनांक 24.12.2020 पृष्ठ संख्या......2......कॉलम......3-4......

एचएयू में चौधरी चरण सिंह की 118वीं जयंती मनाई

हिसार | देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त किसानों के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे। देश के प्रधानमंत्री रहते हुए भी उनकी पहचान किसान के रूप में ही रही। अपने कार्यकाल के दौरान किसानों के जीवन को बेहतर बनाने का हर संभव प्रयास किया।

ये विचार एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहे। वे पूर्व प्रधानमंत्री की 118वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के बाद संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के दौरान कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज के अलावा विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, अधिकारियों के अलावा शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी मौजद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	24.12.2020	--	--

जीवन भर किसानों के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे चौधरी चरण सिंह : कुलपति

पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की जयंती पर पुष्पार्पित करते कुलपति प्रोफेसर समर सिंह।

हिसार (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरणसिंह की 118वीं जयंती मनाई गई। इस मौके पर विवि के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी जीवन पर्यन्त किसानों के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे। देश के प्रधानमंत्री रहते हुए भी उनकी पहचान किसान के रूप में ही रही। अपने कार्यकाल के दौरान किसानों के जीवन को बेहतर बनाने का हर संभव प्रयास किया। किसानों के लिए इनके अतुलनीय योगदान के कारण ही उनके जन्मदिवस को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसंबर 1902 को हापुड़ में हुआ। उनका मानना था कि किसान जब खेत में मेहनत करके अनाज पैदा करते हैं तभी वह हमारी थालियों तक पहुंच पाता है। ऐसे में किसानों का सम्मान करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री सदैव किसानों के हितैषी रहे और उन्हें किसानों के मसीहा के तौर पर भी जाना जाता है। किसानों के प्रति उनका प्रेम इसलिए भी था क्योंकि चौधरी चरण सिंह खुद एक किसान परिवार से ताल्लुक रखते थे और वह उनकी समस्याओं को अच्छी तरह से समझते थे। राजनेता होने के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री एक अच्छे अर्थशास्त्री भी थे। कार्यकाल के दौरान चौधरी चरण सिंह ने देश में किसानों के जीवन और स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए नीतियों का एक समूह पेश किया। किसानों को भारत के आर्थिक विकास की रीढ़ की हड्डी माना जाता है और देश में किसानों के महत्व और देश के समग्र आर्थिक और सामाजिक विकास के बारे में लोगों में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए हर साल किसान दिवस मनाया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज के अलावा विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, अधिकारियों के अलावा शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........नभ छोर........

दिनांक 23.12.22 पृष्ठ संख्या...... — ......कॉलम...... — ......

चरण सिंह जीवन पर्यन्त किसानों के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे: कुलपति

हिसार/23 दिसंबर/रिपोर्टर

पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त किसानों के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे। देश के प्रधानमंत्री रहते हुए भी उनकी पहचान किसान के रूप में ही रही। अपने कार्यकाल के दौरान किसानों के जीवन को बेहतर बनाने का हर संभव प्रयास किया और कई कृषि बिल पारित किए गए। किसानों के लिए इनके अतुलनीय योगदान के कारण ही साल 2001 से 23 दिसंबर को राष्ट्रीय किसान दिवस मनाया जाने लगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री की 118वीं जयंती पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसंबर 1902 को हापुड़ में हुआ। उनका मानना था कि किसान जब खेत में मेहनत करके अनाज पैदा करते हैं तभी वह हमारी थालियों तक पहुंच पाता है। ऐसे में किसानों का सम्मान करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री सदैव किसानों के हितैषी रहे और उन्हें किसानों के मसीहा के तौर पर भी जाना जाता है। राजनेता होने के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री एक अच्छे लेखक भी थे। कार्यकाल के दौरान चौधरी चरण सिंह ने देश में किसानों के जीवन और स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए नीतियों का एक समूह पेश किया। उन्होंने किसानों के सुधारों के बिल पेश करके देश के कृषि क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभाई थी। कार्यक्रम के दौरान कुलपति के ओएसडी डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज के अलावा विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, अधिकारी के अलावा शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........समस्त हरियाणा........

दिनांक 23.12.2020 पृष्ठ संख्या....—.... कॉलम....—....

चौधरी चरण सिंह जीवन भर किसानों के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे : प्रो. समर

एचएयू में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 118वीं जयंती मनाई

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी जीवन पर्यन्त किसानों के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे। देश के प्रधानमंत्री रहते हुए भी उनकी पहचान किसान के रूप में ही रही। अपने कार्यकाल के दौरान किसानों के जीवन को बेहतर बनाने का हर संभव प्रयास किया। किसानों के लिए इनके अतुलनीय योगदान के कारण ही उनके जन्मदिवस को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे।

वे पूर्व प्रधानमंत्री की 118वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसंबर 1902 को हापुड़ में हुआ। उनका मानना था कि किसान जब खेत में मेहनत करके अनाज पैदा करते हैं तभी वह हमारी थालियों तक पहुंच पाता है। ऐसे में किसानों का सम्मान करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री सदैव किसानों के हितैषी रहे और उन्हें किसानों के मसीहा के तौर पर भी जाना जाता है। किसानों के प्रति उनका प्रेम इसलिए भी था क्योंकि चौधरी चरण सिंह खुद एक किसान परिवार से ताल्लुक रखते थे और वह उनकी समस्याओं को अच्छी तरह से समझते थे। राजनेता होने के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री एक अच्छे अर्थशास्त्री भी थे। कार्यकाल के दौरान चौधरी चरण सिंह ने देश में किसानों के जीवन और स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए नीतियों का एक समूह पेश किया। किसानों को भारत के आर्थिक विकास की रीढ़ की हड्डी माना जाता है और देश में किसानों के महत्व और देश के समग्र आर्थिक और सामाजिक विकास के बारे में लोगों में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए हर साल किसान दिवस मनाया जा रहा है।

यह रहे मौजूद

कार्यक्रम के दौरान कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज के अलावा विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, अधिकारियों के अलावा शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........पांच बजे........

दिनांक 23.12.22....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

एचएयू में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह की 118वीं जयंती मनाई

जीवन भर किसानों के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे चौधरी चरण सिंह : प्रो. समर सिंह

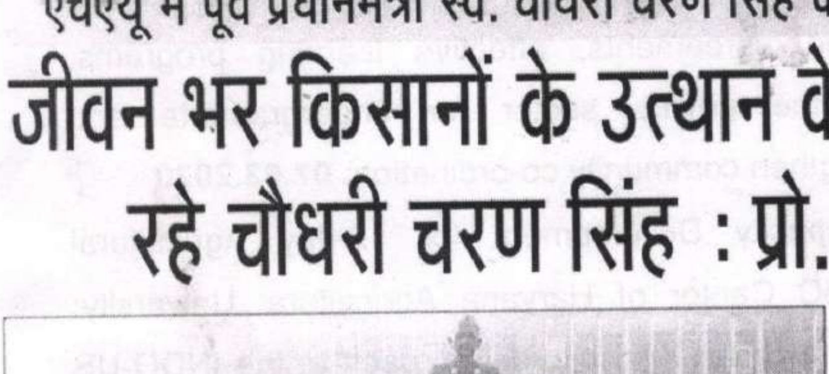

पांच बजे न्यूज

हिसार। देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी जीवन पर्यन्त किसानों के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे। देश के प्रधानमंत्री रहते हुए भी उनकी पहचान किसान के रूप में ही रही। अपने कार्यकाल के दौरान किसानों के जीवन को बेहतर बनाने का हर संभव प्रयास किया और कई कृषि बिल पारित किए गए। किसानों के लिए इनके अतुलनीय योगदान के कारण ही साल 2001 से 23 दिसंबर को राष्ट्रीय किसान दिवस मनाया जाने लगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे पूर्व प्रधानमंत्री की 118वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह का मानना था कि किसान जब खेत में मेहनत करके अनाज पैदा करते हैं तभी वह हमारी थालियों तक पहुंच पाता है। ऐसे में किसानों का सम्मान करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री सदैव किसानों के हितैषी रहे और उन्हें किसानों के मसीहा के तौर पर भी जाना जाता है। किसानों के प्रति उनका प्रेम इसलिए भी था क्योंकि चौधरी चरण सिंह खुद एक किसान परिवार से ताल्लुक रखते थे और वह उनकी समस्याओं को अच्छी तरह से समझते थे। राजनेता होने के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री एक अच्छे लेखक भी थे। कार्यकाल के दौरान चौधरी चरण सिंह ने देश में किसानों के जीवन और स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए नीतियों का एक समूह पेश किया। उन्होंने किसानों के सुधारों के बिल पेश करके देश के कृषि क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभाई थी। किसानों को भारत के आर्थिक विकास की रीढ़ की हड्डी माना जाता है और देश में किसानों के महत्व और देश के समग्र आर्थिक और सामाजिक विकास के बारे में लोगों में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए हर साल किसान दिवस मनाया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज सहित विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, अधिकारी के अलावा शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ......सिटी पल्स......

दिनांक 23.12.2020 पृष्ठ संख्या......—...... कॉलम......—......

जीवन भर किसानों के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे चौधरी चरण सिंह: वीसी

एचएयू में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 118वीं जयंती मनाई

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त किसानों के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे। देश के प्रधानमंत्री रहते हुए भी उनकी पहचान किसान के रूप में ही रही। अपने कार्यकाल के दौरान किसानों के जीवन को बेहतर बनाने का हर संभव प्रयास किया और कई कृषि बिल पारित किए गए। किसानों के लिए इनके अतुलनीय योगदान के कारण ही साल 2001 से 23 दिसंबर को राष्ट्रीय किसान दिवस मनाया जाने लगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहे। वे पूर्व प्रधानमंत्री की 118वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह का मानना था कि किसान जब खेत में मेहनत करके अनाज पैदा करते हैं तभी वह हमारी थालियों तक पहुंच पाता है। ऐसे में किसानों का सम्मान करना बेहद जरूरी है। राजनेता होने के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री एक अच्छे लेखक भी थे। कार्यकाल के दौरान चौधरी चरण सिंह ने देश में किसानों के जीवन और स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए नीतियों का एक समूह पेश किया। उन्होंने किसानों के सुधारों के बिल पेश करके देश के कृषि क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभाई थी। कार्यक्रम के दौरान कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज के अलावा विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, अधिकारी के अलावा शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी मौजूद रहे।

हिसार। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की जयंती पर पुष्पार्तित करते कुलपति प्रो. समर सिंह।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पल पल.....

दिनांक 23.12.2020 पृष्ठ संख्या.......—.......कॉलम.......—.......

एचएयू में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 118वीं जयंती मनाई

पल पल न्यूज: हिसार, 23 दिसंबर। देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी जीवन पर्यन्त किसानों के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे। देश के प्रधानमंत्री रहते हुए भी उनकी पहचान किसान के रूप में ही रही। अपने कार्यकाल के दौरान किसानों के जीवन को बेहतर बनाने का हर संभव प्रयास किया।

किसानों के लिए इनके अतुलनीय योगदान के कारण ही उनके जन्मदिवस को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे पूर्व प्रधानमंत्री की 118वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित

कर श्रद्धांजलि देने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसंबर 1902 को हापुड़ में हुआ। उनका मानना था कि किसान जब खेत में मेहनत करके अनाज पैदा करते हैं तभी वह हमारी थालियों तक पहुंच पाता है। ऐसे में किसानों का सम्मान करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री सदैव किसानों के हितैषी रहे और उन्हें किसानों के मसीहा के तौर पर भी जाना जाता है। किसानों के प्रति उनका प्रेम इसलिए भी था क्योंकि चौधरी चरण सिंह खुद एक किसान परिवार से ताल्लुक रखते थे और वह उनकी समस्याओं को अच्छी तरह से समझते थे। राजनेता होने के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री एक अच्छे अर्थशास्त्री भी थे। कार्यकाल के दौरान चौधरी चरण सिंह ने देश में किसानों के जीवन और स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए नीतियों का एक समूह पेश किया।

किसानों को भारत के आर्थिक विकास की रीढ़ की हड्डी माना जाता है और देश में किसानों के महत्व और देश के समग्र आर्थिक और सामाजिक विकास के बारे में लोगों में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए हर साल किसान दिवस मनाया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज के अलावा विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, अधिकारियों के अलावा शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......पाठक पक्ष......
दिनांक 23.12.2022....पृष्ठ संख्या.......—.......कॉलम.......—.......

जीवन भर किसानों के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे चौधरी चरण सिंह : प्रोफेसर समर सिंह

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 23 दिसम्बर : देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी जीवन पर्यन्त किसानों के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे। देश के प्रधानमंत्री रहते हुए भी उनकी पहचान किसान के रूप में ही रही। उनके कार्यकाल के दौरान किसानों के जीवन को बेहतर बनाने का हर संभव प्रयास किया और कई कृषि बिल पारित किए गए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे पूर्व प्रधानमंत्री की 118वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के बाद संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के दौरान कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज के अलावा विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, अधिकारी के अलावा शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ......दैनिक जागरण......

दिनांक ...24.12.2020... पृष्ठ संख्या ...3... कॉलम ...7-8...

गैर शिक्षक कर्मचारी संघ के द्विवार्षिक चुनाव 11 व 12 को

हिसार : एचएयू गैर शिक्षक कर्मचारी संघ के द्विवार्षिक चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी गई है। प्रधान सहित सात पदों के लिए ये चुनाव 11 व 12 जनवरी को कराए जाएंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त महेंद्र सिंह मोर ने बताया कि इन चुनावों के लिए 31 दिसंबर से नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी जो एक जनवरी शाम तीन बजे तक जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि दो जनवरी को नामांकन पत्रों की जांच पड़ताल की जाएगी व दो जनवरी शाम चार बजे तक नामांकन वापस लिए जा सकेंगे। उसी दिन योग्य उम्मीदवारों को शाम साढ़े चार बजे चुनाव चिह्न आबंटित कर दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 11 जनवरी को एचएयू के बाहरी केंद्रों पर तथा 12 जनवरी को एचएयू परिसर में चुनाव कराए जाएंगे। इनमें विवि के योग्य मतदाता प्रधान, उपप्रधान, महासचिव, सहसचिव, कोषाध्यक्ष के एक एक पद तथा कार्यकारी के दो सदस्यों के लिए मतदान करेंगे। मतगणना की अधिकारिक घोषणा 12 जनवरी को चुनाव के तुरंत बाद कर दी जाएगी।
चुनावों के दौरान सरकार द्वारा कोविड-19 के तहत जारी गाइडलाइन की पालना सुनिश्चित की जाएगी। (जासं)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....दैनिक भास्कर, दैनिक जागरण....

दिनांक 24.12.22....पृष्ठ संख्या....2, 3....कॉलम....3, 1....

एचएयू में किसान जागरूकता वर्कशॉप

हिसार | एचएयू में एबिक सेंटर में ऑनलाइन किसान उत्पादक संगठन जागरूकता वर्कशॉप की गई। इसमें देश के युवा उद्यमियों, युवा किसानों और किसान उत्पादक संगठन के प्रतिभागी शामिल हुए। वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को किसान उत्पादक संगठन के बारे में अवगत करवाना था। मुख्य वक्ता परमजीत सिंह ने कहा कि आने वाला समय कृषि व इससे जुड़े व्यवसायों का है। इसलिए कृषि में वैल्यू एडीशन की जरूरत है। जिससे किसान दोगुनी आमदनी कमा सकते हैं। उन्होंने बताया कि अब्दुल कलाम दुनिया को आगे बढ़ाने के लिए पांच एफ से अवगत करवाया, जिसमें सबसे पहला फूड, फैशन, फिटनेस, फन और फाइनेंस हैं।

आने वाला समय कृषि का, वेल्यू एडिशन की जरूरत

हिसार : हकृवि में एबिक सेंटर में एक ऑनलाइन किसान उत्पादक संगठन जागरूकता वर्कशॉप का आयोजन किया गया। वर्कशॉप में देश के युवा उद्यमियों, युवा किसानों और किसान उत्पादक संगठन के प्रतिभागी शामिल हुए। इस वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को किसान उत्पादक संगठन के बारे में अवगत करवाते हुए इसकी स्थापना व इसे आगे बढ़ाने को लेकर जागरूक करना था।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......पाँच बजे......

दिनांक 23.12.22....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

एबिक सेंटर में एक ऑनलाइन किसान उत्पादक संगठन जागरूकता वर्कशॉप का आयोजन

आने वाला समय कृषि का, इसमें वैल्यू एडिशन की जरूरत

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थापित एबिक सेंटर में एक ऑनलाइन किसान उत्पादक संगठन जागरूकता वर्कशॉप का आयोजन किया गया। वर्कशॉप में देश के युवा उद्यमियों, युवा किसानों और किसान उत्पादक संगठन के प्रतिभागी शामिल हुए। इस वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को किसान उत्पादक संगठन के बारे में अवगत करवाते हुए इसकी स्थापना व इसे आगे बढ़ाने को लेकर जागरूक करना था। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता परमजीत सिंह ने कहा कि आने वाला समय कृषि व इससे जुड़े व्यवसायों का है। इसलिए कृषि में वैल्यू एडीशन की जरूरत है। उन्होंने बताया कि अब्दुल कलाम जी दुनिया को आगे बढ़ाने के लिए पांच एफ से अवगत करवाया जिसमें सबसे पहला फूड, फैशन, फिटनेस, फन और फाइनेंस है। उन्होंने प्रतिभागियों को लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योगों के बारे में भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी। दूसरे वक्ता फार्मर प्रोड्यूसर कंसल्टेंट और इंटरप्रेन्योर अबिनाश ने संबोधित करते हुए प्रतिभागियों को भारत सरकार और नाबार्ड द्वारा फार्मर प्रोड्यूसर आर्गेनाइजेशन को दी जाने वाली सहूलियत और बढ़ावा देने के लिए स्कीम से अवगत करवाया। उन्होंने सराकर के 10000 किसान उत्पादक संगठन के लक्ष्य से भी अवगत करवाया।

सहयोगात्मक टॉक सीरीज 24 को

नोडल ऑफिसर डा. सीमा रानी ने सभी प्रतिभागियों व वक्ताओं का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि जल्द ही इनक्यूबेटर की एक सहयोगात्मक टॉक सीरीज 24 दिसंबर को आयोजित की जाएगी। इस सीरीज का उद्देश्य प्रतिभागियों को ऊष्मायन के बारे में जागरूक करना है। यह कार्यक्रम इनक्यूबेटर की सफलता की कहानियों और इंटरेक्टिव सत्रों, प्रेजेंटेशन-कम-वार्ता और प्रश्नोत्तर दौर के माध्यम से उपलब्धियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भविष्य के एकीकृत ऊष्मायन नेटवर्क के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा। उन्होंने बताया कि इस इवेंट का ब्रॉड एजेंडा इनक्यूबेशन, इनक्यूबेटर्स की उपलब्धि और सक्सेस स्टोरीज के बारे में जागरूक करना है। इस वेबिनार का संचालन तकनीकी मैनेजर अर्पित तनेजा व सह संचालन फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि ने किया। वर्कशॉप में करीब 100 प्रतिभागी शामिल हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....नभ छोर.....

दिनांक 23.12.2020 पृष्ठ संख्या...—...कॉलम...—...

भविष्य कृषि व उससे जुड़े उत्पादों का : सिंह

हिसार/23 दिसंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक सेंटर में एक ऑनलाइन किसान उत्पादक संगठन जागरूकता वर्कशॉप का आयोजन किया गया जिसमें युवा उद्यमी, युवा किसान और किसान उत्पादक संगठन के प्रतिभागी शामिल हुए। इस वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को किसान उत्पादक संगठन के बारे में अवगत करवाते हुए इसकी स्थापना व इसे आगे बढ़ाने को लेकर जागरूक करना था। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता परमजीत सिंह ने कहा कि आने वाला समय कृषि व इससे जुड़े व्यवसायों का है। इसलिए कृषि में वैल्यू एडीशन की जरूरत है। उन्होंने बताया कि अब्दुल कलाम ने दुनिया को आगे बढ़ाने के लिए पांच एफ से अवगत करवाया जिसमें सबसे पहला फूड, फैशन, फिटनेस, फन और फाइनेंस हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योगों के बारे में भी जानकारी दी। दूसरे वक्ता फार्मर प्रोड्यूसर कंसल्टेंट और इंटरप्रेन्योर अबिनाश ने प्रतिभागियों को भारत सरकार और नाबार्ड द्वारा फार्मर प्रोड्यूसर आर्गेनाइजेशन को दी जाने वाली सहूलियत और बढ़ावा देने के लिए स्कीम से अवगत करवाया। नोडल ऑफिसर डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इनक्यूबेटर की एक सहयोगात्मक टॉक सीरीज कल आयोजित की जाएगी। इस सीरीज का उद्देश्य प्रतिभागियों को ऊष्मायन के बारे में जागरूक करना है। यह कार्यक्रम इनक्यूबेटर की सफलता की कहानियों और इंटरेक्टिव सत्रों, प्रेजेंटेशन-कम-वार्ता और प्रश्नोत्तर दौर के माध्यम से उपलब्धियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भविष्य के एकीकृत ऊष्मायन नेटवर्क के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा। उन्होंने बताया कि इस इवेंट का ब्रॉड एजेंडा इनक्यूबेशन, इनक्यूबेटर्स की उपलब्धि और सक्सेस स्टोरीज के बारे में जागरूक करना है। इस वेबिनार का संचालन तकनीकी मैनेजर अर्पित तनेजा व सह संचालन फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि ने किया। वर्कशॉप में करीब 100 प्रतिभागी शामिल हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....पल पल....

दिनांक 23.12.2022...पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

आने वाला समय कृषि का, इसमें वैल्यू एडिशन की जरूरत

पल पल न्यूज: हिसार, 23 दिसंबर। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थापित एबिक सेंटर में एक ऑनलाइन किसान उत्पादक संगठन जागरूकता वर्कशॉप का आयोजन किया गया। वर्कशॉप में देश के युवा उद्यमियों, युवा किसानों और किसान उत्पादक संगठन के प्रतिभागी शामिल हुए। इस वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को किसान उत्पादक संगठन के बारे में अवगत करवाते हुए इसकी स्थापना व इसे आगे बढ़ाने को लेकर जागरूक करना था। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता परमजीत सिंह ने कहा कि आने वाला समय कृषि व इससे जुड़े व्यवसायों का है। इसलिए कृषि में वैल्यू एडीशन की जरूरत है। उन्होंने बताया कि अब्दुल कलाम जी दुनिया को आगे बढ़ाने के लिए पांच एफ से अवगत करवाया जिसमें सबसे पहला फूड, फैशन, फिटनेस, फन और फाइनेंस हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योगों के बारे में भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी। दूसरे वक्ता फार्मर प्रोड्यूसर कंसल्टेंट और इंटरप्रेन्योर अबिनाश ने संबोधित करते हुए प्रतिभागियों को भारत सरकार और नाबार्ड द्वारा फार्मर प्रोड्यूसर आर्गेनाइजेशन को दी जाने वाली सहूलियत और बढ़ावा देने के लिए स्कीम से अवगत करवाया। उन्होंने सराकर के 10000 किसान उत्पादक संगठन के लक्ष्य से भी अवगत करवाया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........सिटी पल्स........

दिनांक 23.12.2020 पृष्ठ संख्या........—........कॉलम........—........

एबिक सेंटर में किसान उत्पादक संगठन जागरूकता वर्कशॉप आयोजित

हिसार। वर्कशॉप के दौरान एबिक की टीम व वक्ता।

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थापित एबिक सेंटर में एक ऑनलाइन किसान उत्पादक संगठन जागरूकता वर्कशॉप का आयोजन किया गया। वर्कशॉप में देश के युवा उद्यमियों, युवा किसानों और किसान उत्पादक संगठन के प्रतिभागी शामिल हुए। इस वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को किसान उत्पादक संगठन के बारे में अवगत करवाते हुए इसकी स्थापना व इसे आगे बढ़ाने को लेकर जागरूक करना था। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता परमजीत सिंह ने कहा कि आने वाला समय कृषि व इससे जुड़े व्यवसायों का है। इसलिए कृषि में वैल्यू एडीशन की जरूरत है। नोडल ऑफिसर डॉ. सीमा रानी ने बताया कि जल्द ही इनक्यूबेटर की एक सहयोगात्मक टॉक सीरीज 24 दिसंबर को आयोजित की जाएगी। इस सीरीज का उद्देश्य प्रतिभागियों को ऊष्मायन के बारे में जागरूक करना है। इस वेबिनार का संचालन तकनीकी मैनेजर अर्पित तनेजा व सह संचालन फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि ने किया। वर्कशॉप में करीब 100 प्रतिभागी शामिल हुए।